



Moving Every Mile With A Smile

संवाद

Maheshwari Logistics Limited

Coal • Logistics • Paper

April - June 2019
ISSUE 4

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन । मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि ॥

You have right to work but not expecting fruits out of it. Do not focus on the fruits and never be inactive.

स्पर्श



संवाद के चौथे अंक में आप सभी से एक महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करना चाहती हूँ।

भोजन है जीवन, अन्न ही है परब्रह्म

भारतीय संस्कृति में अन्न को देवता का दर्जा प्राप्त है और यही कारण है कि भोजन जूठा छोड़ना या उसका अनादर करना पाप माना जाता है। मगर आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम अपना यह संस्कार भूल गए हैं। यही कारण है कि होटल-रेस्त्रां के साथ ही शादी-ब्याह जैसे आयोजनों में सैकड़ों टन खाना रोज बर्बाद हो रहा है। एक तरफ अरबों लोग दाने-दाने को मोहताज हैं, कुपोषण के शिकार हैं, वहीं रोज लाखों टन खाना बर्बाद किया जा रहा है।

हम सब मिल कर क्यों ना एक नयी सोच लाएँ अन्न की बर्बादी को रोकें, कोई दूसरा ऐसा करे तो उसको भी टोकें

हम सभी को मिलकर इसके लिये सामाजिक चेतना लानी होगी तभी भोजन की बर्बादी रोकी जा सकती है। हमें एक आदत विकसित करनी चाहिए कि उतना ही थाली में लें जितनी हमें भूख हो, खास कर बच्चों को शुरुआत से ही ये सिखाना चाहिए। हमें अपनी परम्पराओं और संस्कृति की ओर वापस जाना होगा- मिल कर साथ में भोजन करना, एक दूसरे की ज़रूरत के अनुसार आपस में भोजन साझा करना आदि।

तो आइए हम सब साथ मिल कर ये संकल्प लेते हैं

भोजन उतना ही लें थाली में,
व्यर्थ ना जाए नाली में।

शुभ कार्यों में भोजन उतना ही बनायें,
कि बचने पर कभी फेकने की नौबत ना आये!!

सब मिलकर देश में ऐसे नियम लाएँ,
बचा हुआ अच्छा खाना ज़रूरतमंद तक पहुँचाएँ!!

Mukta Maheshwari
Editor - Samvad

समन्वय



दोस्तों,

मैंने अपने अनुभव से सीखा है कि सफलता कभी एक झटके में नहीं मिलती, अचानक ही सपने पूरे नहीं हो जाते, अचानक ही रिश्ते नहीं सुधर जाते, अचानक ही आप सेहतमंद नहीं बन जाते। आपके पास एक लक्ष्य, एक योजना होनी चाहिए। क्या पाना हैं, कहाँ जाना हैं, कैसे पहुँचेंगे, कौन सी राह होगी, कितना समय लगेगा और कितनी मेहनत करनी होगी, सब पता होना चाहिए।

पानी हमेशा नीचे की तरफ बहता है, मज़बूत पेड़ हमेशा ऊपर की ओर बढ़ते हैं। इंसान भी हमेशा ऊपर उठना चाहता है। पर सोचिए, नदी में बहती हुई किसी पेड़ की टूटी हुई टहनी किस तरफ जाती है? जिस तरफ पानी का बहाव होता है यानि नीचे की ओर, व अंत में पहुँचती है जहाँ उसे नदी ले जाती है। पता नहीं उसे कभी किनारा मिलेगा या नहीं और यदि मिलेगा तो कैसा होगा।

ज़िंदगी भी इस नदी की तरह ही है। अगर आपको पता नहीं है कि आपकी मंज़िल, आपका लक्ष्य क्या है तो ये आपको अपने साथ एक ऐसे सफ़र पर बहा ले जाएगी कि आप कहाँ और किस हालत में पहुँचेंगे पता नहीं। लक्ष्य के बिना हम अपना केंद्र खो बैठते हैं।

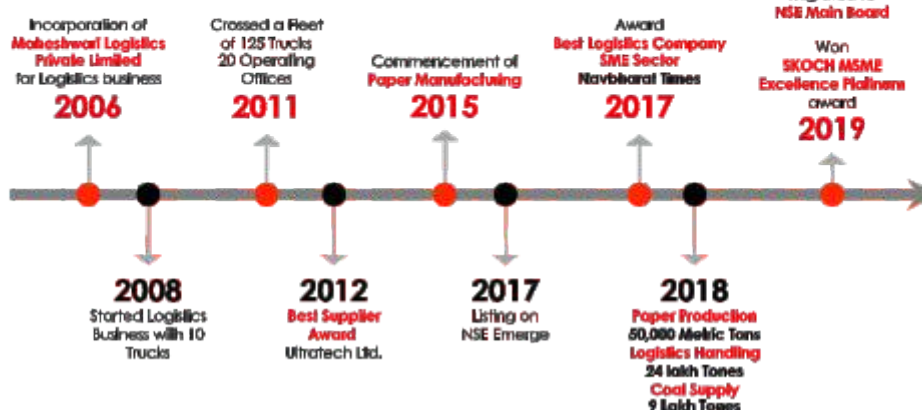
समय चलता रहता है, ज़िंदगी आगे बढ़ती रहती है और इसी के साथ हमारे लक्ष्य भी बदलते रहते हैं। लेकिन एक बात जो हमें समझनी चाहिए वो ये है कि लक्ष्य को बदलना और लक्ष्य को पूरा होने के बाद बदलना दोनों में अंतर है। अगर समय के साथ हमारे लक्ष्य यूँ ही बदल रहे हैं तो मतलब ज़िंदगी हमें अपने साथ बहा कर ले जा रही है और यदि एक लक्ष्य पूरा होने के बाद हम नया लक्ष्य बनाते हैं तो मतलब हम ज़िंदगी को अपने हिसाब से चला रहे हैं।

अंत में इतना कहूँगा कि ज़िंदगी में लक्ष्य का होना ज़रूरी है वरना जीवन रूपी नदी आपको कहाँ बहा कर ले जाए क्या पता।

Neeraj Maheshwari
CEO, Maheshwari Logistics Ltd.

History

4 Decade old family business transformed into mini conglomerate



Maheshwari Logistics Limited

Coal • Logistics • Paper

Consolidated Financial Performance for the Year 2018-19
(Audited figures in Rs. Crores)



RECOMMENDED FINAL DIVIDEND 12%

Disclaimer: This note is prepared for information purpose only. Investors should refer to detailed financial results available at NSE & Company's website (www.mpls.biz) before making any investment decision.

IN HOUSE TALENT

Congratulations!!!

Yash Jha, Vapi		(Junior Kg.)
Harsh Jha, Vapi	69%	(2nd Std.)
Sarthak Patel, (Ambethi) Vapi	95%	(6th Std.)
Ankit Kumar Dwivedi, Ahmedabad	84 Percentile	(10th Std.)
Neha Pandya, Ahmedabad	70 Percentile	(10th Std.)
Shubham Maheshwari, Vapi	82%	(10th Std.)
Nidhi Agrawal, Vapi	67%	(12th Std.)
Muskan Maheshwari, Vapi	84%	(12th Std.)



Congratulations for their good results and best of luck for the upcoming year!!

Harsh Jha, Vapi
Certificate
for full attendance
in 2nd Std.



इंसानियत



मंदिर में वाना चुग कर चिड़िया, मस्जिद में पानी पीती है,
मैंने सुना है, राधा की चुनरी कोई सलमा बेगम सीती है।
एक रफ़ी था, महफिल महफिल रघुपति राघव गाता था,
एक प्रेमचंद, बच्चों को ईवगाह सुनाता था।
कभी कन्हैया की महिमा गाता रसखान सुनाई देता है,
औरों को दिखाई देते होंगे, हिंदू ओ मुसलमां,
मुझे तो हर शक्स के भीतर इंसान दिखाई देता है ॥



महावीर सिंह राजपूत
निम्बाहेड़ा

कितना

सत्य है ना !!!



भक्ति जब भोजन में प्रवेश करती है,
भोजन “प्रसाद” जाता है।
भक्ति जब भूख में प्रवेश करती है,
भूख “व्रत” बन जाती है।
भक्ति जब पानी में प्रवेश करती है,
पानी “चरणामृत” बन जाता है।
भक्ति जब सफर में प्रवेश करती है,
सफर “तीर्थयात्रा” बन जाता है।
भक्ति जब संगीत में प्रवेश करती है,
संगीत “कीर्तन” बन जाता है।
भक्ति जब घर में प्रवेश करती है,
घर “मन्दिर” बन जाता है।
भक्ति जब कार्य में प्रवेश करती है,
कार्य “कर्म” बन जाता है।
भक्ति जब क्रिया में प्रवेश करती है,
क्रिया “सेवा” बन जाती है।
भक्ति जब व्यक्ति में प्रवेश करती है,
व्यक्ति “मानव” बन जाता है।



गोपाल लाल काबरा, जयपुर
के संकलन से

खाना खजाना

ड्राई फ्रूट मिक्सचर

सामग्री : धनिया-२०ग्राम, सौंफ-२०ग्राम, मिश्री-२०ग्राम,
पिस्ता-२०ग्राम, काजू-२०ग्राम, अखरोट-५०ग्राम, बदाम-
५०ग्राम, छोटी इलाइची-४, सफेद मिर्च-६

विधि : सभी सूखे मेवे थोड़ी देर धूप में रख दें। थोड़ी देर बाद
सभी सामग्री को मिक्सी में अलग-अलग पीस कर पाउडर बना
कर साथ में मिला लें। मिक्सी में धीरे-धीरे चला कर पीस नहीं तो
सूखे मेवे का तेल निकल आएगा और ठीक से पीस नहीं पाएगा।

लाभ : यह मिक्सचर सभी के लिए फ़ायदेमंद है, खास कर बच्चों
के लिए। इसे सुबह-शाम एक-एक चम्मच दूध के साथ लें। यह
आँखों की रौशनी बढ़ाता है, मसूढ़ों, हड्डियों व
माँसपेशियों को मज़बूत करता है, मस्तिष्क
का विकास करता है, याददाश्त बढ़ाता है, रोग
प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाता है।



वृन्दा माहेश्वरी, वापी

द्वि - दिल साथे जोड़ावेदो अेक अतूट श्वास...

क - कस्तूरीनी जेम सदाय महेकती अने महेकावती...

री - रिश्चि-सिध्चि आपनारी अने परिवारने उज्जो
करती अेवी अेक परी...

कोई पञ्च परिवारमां अेक पिताने भजनावानो अधिकार मात्र दीकरी पासे ज डोय
छे...

दीकरी क्यारेक मा बनी रहेछे, क्यारेक दादी बनी ज्ञाय छे तो क्यारेक मित्र बनी रहेछे.
सुभ डोय त्यारे दीकरी बापना छोकनुं स्मित बनी रहेछे. अने दुःखमां बापना आंसु
बूछती छयेणी बनी ज्ञाय छे. जेतजेतामां दीकरी मोटी थई ज्ञाय छे. अने अेक दिवस
पानेतर ओढी विदाय थाय छे.

दीकरी भगवान विरूद्ध सांभणी वे छे पञ्च पोताना पिता विरूद्ध ते सांभणी शक्ती
नथी...

सूर्यना वरे दीकरी छोट अने तेने विदाय करवानो अवसर आयो छोट तो सूर्यने भबर
पडत के अंधारुं कोने कहेवाय ?...

Collected by
Nimisha Mistry, Vapi



दीकरी
शुं छे ?

आप अपने हुनर को इस पते पर भेज सकते हैं, या priyaupadhyaym1pl@gmail.com पर मेल कीजिए ।

Priyanka Dubey, MLL House, Shed No A2-3/2, Opp. UPL, 1st Phase, GIDC, VAPI - 396 195. Mobile No. 98243 02806

Health Corner

भीग जाएँ तो घर आकर पानी में डेटाल या सेबलोन की कुछ बूँदें डालकर नहाने से कीटाणु द्वारा होने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है।

सर्दी हो तो लहसुन खाने से ठीक होगी व रोग प्रतिकारक क्षमता भी बढ़ेगी।

फंगल इन्फेक्शन से बचना हो तो अपने हाथ के नाखून ना बढ़ने दें।

बारिश से गीली होने वाली दीवार से दूर रहें, उस पर जमी काई से अस्थमा हो सकता है।

घर व काम करने वाली जगह के आस पास बारिश का पानी ना भरने दें, उसमें मच्छर पैदा होने से मलेरिया होता है।

पूनाम धूत, वापी द्वारा संकलित

दादी माँ ने कहा... बारिश में...



How A Snake Swallows

Snakes can eat animals which are much larger than themselves. A snake is long and thin and has a narrow head, yet it can swallow fat rats and bird's eggs. Some of them can even eat a whole deer!

Snakes can do this because their jaws are not fixed together. The upper and lower jaws are connected by ligaments which are thin tissues that stretch easily. So the snakes can force it's mouth over even large prey. Snakes which swallow eggs have bones in their throats which they use to break the eggs.

A snake's stomach can also stretch to allow it to swallow it's prey whole. A snake that has recently eaten a large meal can look quite strange. It's head and neck are of normal size but it's belly shows a large bulge. As the prey is digested, the bulge gets smaller and smaller.



Know Your Country... Mawlynnong - Meghalaya



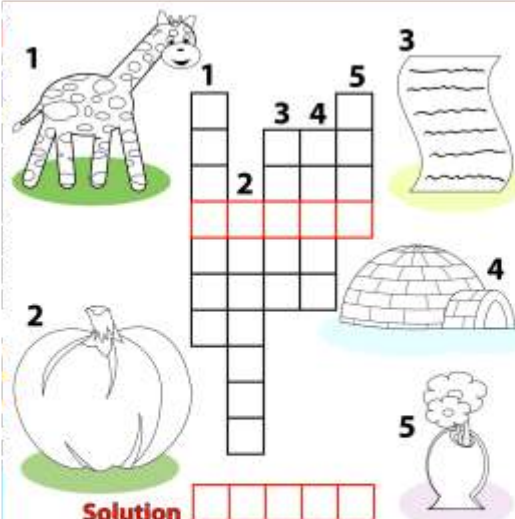
One of the offbeat places in India. Blessed with the charm of North East India, Mawlynnong has been awarded as the cleanest village in Asia in 2003.

It's Eco friendly village community gives us amazing lessons on life. Tucked away in the East Khasi Hills of Meghalaya, it is also called 'God's Own Garden'.

Scenic bliss of the town is refreshing. Besides waterfalls and caves there are Balancing Rocks and Living Roots Bridge which are created out of the roots of trees and are truly a wonder.

खेल खेल में

CROSSWORD-PUZZLE



RIDDLES

1. An electric train is moving north at 100 mph and wind is blowing to the west at 10 mph. Which way does the smoke blow?
2. What number am I? I am a three digit no. My tens digit is five more than my ones digit. My hundreds digit is eight less than my tens digit.
3. What comes once in a minute, twice in a moment but never in thousands of years?
4. Who's bigger? Mr. Bigger, Mrs. Bigger or their baby?



पिछले अंक में जो रिडल्स पूछे गए थे उनके सबसे ज्यादा सही जवाब देने वाले का नाम है **इरादत अंसारी - वापी**

रिडल्स के सही जवाब इस प्रकार हैं-

1. 12:20 PM
2. $5+4=3^2$
3. Three men
 - a) GRAND FATHER,
 - b) FATHER (Grand Father's son)
 - c) SON (Father's son)
4. KEYBOARD

Last edition Word Search completed by Vidhi Maheshwari, Vapi Shivendra Singh Yadav, Boisar Pradeep Verma, Surat

रिडल्स के सही जवाब आपको 5th August तक मो.नं : 98243 02806 पर नाम के साथ मेसेज करना है।
जिनके भी जवाब सही होंगे, उनमें से लकी ड्रॉ के द्वारा 5 नाम चुन कर संवाद के अगले अंक में उत्तर के साथ प्रकाशित किए जाएंगे।

